(क) अमरनाथ यात्रा के दौरान बर्फानी बाबा भगवान अमरनाथ के दर्शन हेतु आने जाने वाले यात्रियों में से अभी तक कितने यात्रियों की मृत्यु हो गई;

(ख) उपरोक्त हुई मृत्यु के प्रमुख कारण क्या हैं;

(ग) क्या मृत्यु का एक बड़ा कारण यात्रियों की इतनी अधिक संख्या है कि यात्रा के दिनों में भारी कमी के कारण प्रतिदिन यात्रियों की संख्या पच्चीस हजार के स्थान पर चालीस हजार से अधिक हो जाती है; और

(घ) क्या यात्रियों को पर्याप्त चिकित्सा सुविधा नहीं मिलना भी मृत्यु का बड़ा कारण रहा है?

**उत्तर**

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री(श्री जितेन्द्र सिंह)

**(क) : अमरनाथ तीर्थयात्रा, 2012 के दौरान 93 तीर्थयात्रियों की मृत्यु हुई है।**

**(ख) : एस ए एस बी द्वारा अभिज्ञात किए गए मृत्यु होने के कारणों में से कुछ एक कारण नीचे दिए गए है:-**

1. **अत्यधिक ऊँचाई पर लम्बी पैदल यात्रा करने के लिए शारीरिक स्वस्थता के अलावा जलवायु के प्रति अभ्यस्त होने की जरुरत होती है। तथापि, यात्री जलवायु के प्रति अभ्यस्त नहीं होते हैं, जिसकी वजह से गम्भीर बीमारी और घातक स्थिति उत्पन्न हो जाती है। यात्रीगण पर्याप्त रुप से सर्दी के कपड़े, जूते आदि लेकर नहीं जाते हैं।**
2. **इसके अतिरिक्त, मौसम में तुरंत बदलाव आ जाता है और थोड़ी सी ही बर्फीली हवाओं से तापमान में तेजी से गिरावट आ जाती है।**
3. **कुछ भक्तगण ठण्डे पानी में स्नान कर लेते हैं और खाली पेट पैदल यात्रा शुरू कर देते हैं जिससे उन्हें गम्भीर बीमारी जकड़ लेती है।**

**(ग) : मृत्यु के मामलों और प्रतिदिन जाने वाले यात्रियों की संख्या के बीच कोई सह-संबंध नहीं है। उपलब्ध आंकड़ों से ऐसा निष्कर्ष निकालने का पर्याप्त आधार उपलब्ध नहीं होता है।**

**(घ) : राज्य सरकार ने इस वर्ष और अधिक चिकित्सा शिविर लगाए हैं। राज्य सरकार द्वारा यात्रा मार्ग पर कुल 15 चिकित्सा शिविर लगाए गए थे। सेना, सी आर पी एफ और बी एस एफ द्वारा लगाए गए 32 चिकित्सा शिविरों द्वारा इनकी सहायता की गई। इन सभी शिविरों में पर्याप्त संख्या में डॉक्टर, स्टाफ और दवाइयां उपलब्ध थीं। यात्रा से संबंधित विभिन्न मुद्दों की जांच करने के लिए एक विशेष उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया गया है।**